पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन
सत्र- 2024-25
कक्षा-11
विषय–सिलाई

क्रमसं	माह	इकाई	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	1	परिधान (पोषाक)- (i) परिधान का महत्व, (ii) परिधान के प्रकार, प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रमानुसार
2	मई	1	(iii) मौसम, आयु, लिंग तथा विभिन्न अवसरों पर परिधान कैसे होने चाहिये का ज्ञान। प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रमानुसार
3	जून		ग्रीष्मावकाश
4	जुलाई	2	वस्त्र अभिन्यास व्यवसाय- (i) सफलता के तत्व (ii) मितव्ययी प्रयोग (iii) वस्त्रों के प्रकार सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक एवं आधुनिक वस्त्रों की जानकारी तथा परिधान के अनुसार इन वस्त्रों के प्रयोग का ज्ञान। प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रमानुसार
5	अगस्त	3	कंधे एवं शरीर के गठन की जानकारी तथा इसके नाप लेने की विधि: शरीर- (i) सामान्य, (ii) तनाहुआ, (iii) झुकाहुआ, (iv) तोंदील तथा अर्धतोंदील, (v) कूबड़ निकला हुआ कन्धा- (i) सामान्य, (ii) ऊंचाकरना, (iii) झुका हुआ कन्धा प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रमानुसार
6	सितम्बर	4	नाप लेने की पद्धतियाँ - (i) डायरेक्ट पद्धति, (ii) क्लाइमेक्स पद्धति तथा विभिन्न पद्धतियों का संक्षिप्त जान प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रमानुसार
7	अक्टूबर	5	कटाई सिलाई केअंग- (i) कटर क्या है, (ii) अच्छे कटर और टेलर किस प्रकार बनाया जा सकता है। (iii) कटाई, सिलाई तथा प्रेस करते समय की सावधानियाँ (iv) आनुपातिक कपड़े का ज्ञान (v) फैशन के अनुसार परिधान बनाने की योग्यता (vi) सिले हुये परिधान में होने वाले दोष की जानकारी तथा उन्हें दूर करने के उपाय। प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रमानुसार अर्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन।
8	नवम्बर	6	सिलाई व्यवसाय में प्रयोग होने वाले शब्दों की परिभाषा एवं ज्ञान करना- थ्रिंक करना, दमफॉक, गिदरी, हाला, टीथ, डार्ट, फिशडार्ट, प्लीट, गिरह, चाक,

			ताबीज, कुटका, चाँपा, धाँसा, ट्रीमिंग, बाबिन, बकरम, चिकोटी, लेआउट, टॉय-ऑन,अर्ज,आडा, ओरेब आदि। प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रमानुसार
9	दिसम्बर	7	पर्यावरण सुरक्षा- (i) सिलाई करते समय विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों से होने वाली सम्भावनायें तथा उन्हें दूर करने के उपाय (ii) सिलाई कक्ष में कूड़ाकचरा, कतरन जलने से प्रदूषण फैलना तथा उसे दूर करने के उपाय (iii) मशीनों से उत्पन्न होने वाले ध्वनि प्रदूषण को कम करने के उपाय। प्रायोगिक कार्य –पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय वस्तु आधारित
10	जनवरी		संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। प्रतिभाशाली एवं कमजोर शिक्षार्थियों का उपचारात्मक शिक्षण। प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन वार्षिक गृह परीक्षा का आयोजन।
11	फरवरी		उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन।
12	मार्च		प्रगति पत्र का वितरण।